सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

अमर शहीद हेमू कालाणी जी को उनकी जयंती पर समस्त देशवासियों की ओर से श्रद्धापूर्वक नमन। उनकी जन्म शताब्दी वर्ष पर शहीद हेमू कालाणी यादगार मंडल, विवेकानंद शिक्षण संस्था और भारतीय सिंधु सभा द्वारा पुस्तिका के प्रकाशन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई है।

कहते हैं- पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं और इस कथन को चरितार्थ करता शहीद हेमू कालाणी जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्वरूप है। खिलौनों से खेलने की उम्र में ही अपने जोश और क्रांतिकारी विचारों से उन्होंने दिखा दिया था कि उनके जीवन का पल-पल माँ भारती की सेवा के लिए समर्पित है। आजादी के आंदोलन में तमाम बाधाएं और यातनाएं भी उनका हौसला नहीं तोड़ पाईं और उन्होंने हंसते-हंसते 19 वर्ष की छोटी आयु में देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

आजादी के अमृत काल में देश स्वतंत्रता के ऐसे अनगिनत सूत्रधारों के त्याग, तपस्या और बलिदान से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहा है, जिन्होंने माँ भारती की सेवा में अपना सब कुछ खपा दिया, अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। देश के ऐसे महान वीरों और वीरांगनाओं की गौरवशाली विरासत को सहेजकर भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि शहीद हेमू कालाणी यादगार मंडल, विवेकानंद शिक्षण संस्था और भारतीय सिंधु सभा शिक्षा और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रयासों के जरिए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मैं आशा करता हूं कि इस पुस्तिका के माध्यम से देशवासियों और विशेष रूप से नयी पीढ़ी को शहीद हेमू कालाणी जी की वीरता और देश के लिए उनके बलिदान के बारे में विस्तार से जानने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

पुस्तिका के प्रकाशन से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
चैत्र 04, शक संवत् 1945
25 मार्च, 2023